सोलर आधारित लूम लगाने पर सरकार देगी सब्सिडी

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा- जल्द लाई जाएगी नीति, ओडीओपी में चयनित जिलों में बनेंगे सीएफसी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को बढ़ावा देने लिए सोलर आधारित लूम लगाने पर सब्सिडी दी जाएगी। सरकार इसके लिए जल्द नीति लेकर आ रही है। उन्होंने कहा ओडीओपी योजना के तहत चयनित जिलों में सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) की स्थापना की जाएगी। वे मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए संतकबीर हथकरघा पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य में हथकरघा यूनिटों में सोलर लूम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगीऔर बिजली भी बचेगी। उन्होंने जल्द ही खादी के सोलर चरखों की तरह सोलर पावरलूम की भी योजना लेकर आ रही है। उन्होंने कहा कि बुनकरों को कारीगरों के हुनर को बढ़ाने के लिए मनीष मल्होत्रा, रितु बेरी, रीना ढाका जैसे ख्याति प्राप्त फैशन डिजाइनर्स को जोड़ा गया है। प्रदेश में टेक्सटाइल्स पार्क की स्थापना कराई जा रही है। टेक्सटाइल्स के क्षेत्र आठ हजार करोड़ का निवेश होने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने लॉकडाउन में बुनकरों का 450 करोड़ के बिजली के बिल माफ किए हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिस्पर्धा में रहना है तो तकनीक का उपयोग करना होगा। तकनीक का उपयोग नहीं किया तो पीछे रह जाएंगे। बुनकरों के लिए सरकार क्लस्टर योजना लेकर आ रही है। जहां कॉमन फेसिलिटी सेंटर भी स्थापित किए जाएंगे। मऊ में स्थापित किए जा रहे फैसिलिटी सेंटर को मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की देखरेख में काम होगा। राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह ने कहा, प्रदेश को एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को पूरा करने में हथकरघा, वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग के साथ एमएसएमई की बड़ी भूमिका होगी।

संतकबीर हथकरघा पुरस्कार से बुनकरों को किया सम्मानित

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए संतकबीर हथकरघा पुरस्कार वितरण समारोह में मौजूद हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह व अन्य। फोटो : अमर उजाला

वेतनजीवी बनकर बुनकरों के भविष्य से खिलवाड़ न करें

वस्त्रोद्योग एवं हथकरघा विभाग के अपर मुख्य सचिव रमारमण ने कहा कि हथकरघा और वस्त्रोद्योग विभाग के अधिकारी बुकनरों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करें। अधिकारी वेतन लेकर चले जाते हैं, लेकिन बुनकरों की चिंता नहीं करते। उन्होंने कहा कि क्षेत्रों में तैनात अधिकारी बुनकरों को प्रोत्साहन देने के लिए उनके उत्पादों की ब्रांडिंग की योजना बनाए। उन्होंने कहा कि ओडीओपी में ब्रांडिंग का बहुत संभावना है लेकिन अधिकारी अपने खोल से बाहर नहीं निकलते है। कहा, बुनकरों को प्रशिक्षण देने के साथ अंतरराष्ट्रीय मांग और डिजाइन के अनुरूप उनके उत्पादों को तैयार करने पर फोकस करना होगा।

ये हुए सम्मानित

समारोह में वाराणसी के राकेश, ललितपुर के आकाश, मऊ के बदरुज्जमा, सुल्तानपुर की सीमा मौर्या, सीतापुर की साबित अली, कानपुर के शहाबुद्दीन, वाराणसी के गणेश प्रसाद, गोरखपुर के फैजुल हसन अंसारी, हापुड़ के ब्रजेश, वाराणसी के कमलेश, बाराबंकी के जावेद अहमद और ललितपुर के दिनेश को संतकबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार में नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

32 इकाइयों को मिली ब्याज सब्सिडी : सिद्धार्थनाथ सिंह ने हथकरघा की 32 इकाइयों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 2.84 करोड़ रुपये डीबीटी में ट्रांसफर किए। करीब सात इकाइयों को प्रतीकात्मक पुरस्कार का चेक भी सौंपा गया। इस अवसर पर समर्थ योजना के तहत 14 प्रशिक्षण इकाइयों का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। संतकबीर हथकरघा पुरस्कार योजना की स्मारिका का विमोचन भी हुआ।

17/3/21 के अमर उजाला में पृष्ठ 4 पर